राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–248/2024

राज्यपाल ने घुमन्तू जनजातियों के शिष्टमंडल के साथ बैठक की

पटना, 29 नवम्बर, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्ध घुमन्तू जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री श्री दादा इदाते के नेतृत्व में आए एक शिष्टमंडल के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि घुमन्तू जनजातियों को अपराधी (Offender) कहकर संबोधित करना मानवता के विरूद्ध है। इन जनजातियों के विकास के लिए सरकारी प्रयत्न किये जाएँगे, किन्तु उनके प्रति समाज की मानसिकता को बदलने का प्रयास करना आवश्यक है। सामाजिक उपक्रमों के द्वारा उनके उत्थान के लिए प्रयत्न किया जाना चाहिए तथा इसके सदस्यों के व्यक्तिगत उन्नति का लाभ इस समाज के लोगों को मिलना चाहिए।

इससे पूर्व शिष्टमंडल के सदस्यों ने राज्यपाल को खानाबदोश जीवन जीने वाले घुमन्तू जनजातियों की समस्याओं से अवगत कराया और उनके उत्थान के लिए सुझाव भी दिये। उन्होंने बताया कि घुमन्तू जनजाति प्रायः सड़क किनारे रहते हैं, किन्तु सड़क, पुल आदि बन जाने के कारण वे विस्थापित हो गये हैं, अतः उनके लिए आवास की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें सरकार द्वारा दी गई तीन डिसमिल जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराकर उन्हें उपलब्ध कराया जाना चाहिए। परंपरागत व्यवसाय बंद होने के कारण वे बेरोजगार हो गये हैं, अतः उन्हें सरकार द्वारा रोजगार दिया जाना चाहिए। उनके लिए अलग आवासीय विद्यालय की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने बिहार में विमुक्त घुमन्तू जनजातीय आयोग का गठन किये जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि उनके समुदाय के लोगों को नट गिरोह बताकर आपराधिक मामलों में फँसा दिया जाता है। इस समुदाय के लोगों को विधायिका में भागीदारी भी मिलनी चाहिए। घुमन्तू जनजातियों को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने शिष्टमंडल के सदस्यों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके निराकरण एवं घुमन्तू जनजातियों के उत्थान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

शिष्टमंडल में श्री दादा इदाते के अतिरिक्त बिहार में घुमन्तू जनजाति के प्रतिनिधिगण शामिल थे।

.....